हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 121 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 02 नवंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

उत्तराखण्ड में निवेश के लिए अपार संभावनाएं हैं : गुजरात में बोले धामी 8

आयकर में दिखा मोदी मैजिक आईटीआर फाइलिंग में नया रिकॉर्ड

7 करोड़ 85 लाख करदाताओं ने भरे आयकर रिटर्न

उत्तराखंड में धामी नेतृत्व का भी दिखा असर इंफ्रा क्षेत्र में खुलेंगे रोज़गार के अवसर

हर्ष रंजन
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली,1 नवंबर। कमाई के मोर्चे पर केन्द्र सरकार के लिये अच्छी खबर आई है। देश में आयकरदाताओं की संख्या पहली बार एक नये रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान अर्जित आय के लिए 31 अक्टूबर तक रिकॉर्ड संख्या में 7.65 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। यह आंकड़ा साल दर साल आधार पर पिछले साल की तुलना में 11.7% अधिक है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। एसेसमेंट ईयर 2022-23 के लिए अंतिम तारीख तक 6.85 करोड़ आईटीआर दाखिल किये गये थे। साथ ही 31 अक्टूबर, 2023 तक सभी मूल्यांकन वर्षों के लिए वित्त वर्ष 2023-24 में दाखिल किए गए आईटीआर की कुल संख्या 7.85 करोड़ है, जो वित्त वर्ष 2022-23 में दाखिल किए गए कुल 7.78 करोड़ आईटीआर की तुलना में अब तक का उच्चतम स्तर है।

आयकर विभाग की चुस्ती से लोगों को फटाफट मिले रिफंड : इस साल आयकर विभाग ने आईटीआर वेरिफिकेशन और प्रोसेसिंग के मामले में काफी प्रगति की है। यही वजह है कि देश के आयकरदाताओं को इस बार उनकी उम्मीद से पहले ही रिफंड मिलने शुरू हो गये थे। आंकड़ों पर गौर करें तो एसेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए दाखिल किए गए 7.65 करोड़ आईटीआर में से 7.51 करोड़ से अधिक आईटीआर पहले ही सत्यापित किए जा चुके हैं। इसके अलावा 7.51 करोड़ सत्यापित आईटीआर में से 7.19 करोड़ 31 अक्टूबर से पहले ही प्रोसेस किये जा चुके हैं, यानी लगभग 96% सत्यापित आईटीआर प्रोसेस हो चुके हैं। आईटी विभाग ने नियमों के अनुपालन और उनके समर्थन के लिए सभी करदाताओं और कर प्रफेशनल्स की तारीफ की है।

डिजिटल तकनीक से करदाताओं को सुविधा देने में अव्वल रहा इनकम टैक्स विभाग : आम तौर पर ट्रैफिक अचानक बढ़ जाय तो वेब साईट डाउन हो जाती हैं। लेकिन व्यस्ततम फाइलिंग दिनों के दौरान ई-फाइलिंग पोर्टल ने करदाताओं और कर पेशेवरों को फॉर्म और आईटीआर दाखिल करने के लिए एक सहज अनुभव प्रदान करते हुए ट्रैफिक को सफलतापूर्वक संभाला। सोशल मीडिया सहित विभिन्न प्लेटफार्मों पर करदाताओं और पेशेवरों द्वारा इसकी व्यापक सराहना की गई। इसके अलावा हेल्पडेस्क से करदाताओं को इनबाउंड कॉल, आउटबाउंड कॉल, लाइव चैट, वेबएक्स और सह-ब्राउजिंग सत्र के माध्यम से सहायता प्रदान की गई। हेल्पडेस्क टीम ने करदाताओं / हितधारकों तक सक्रिय रूप से पहुंचकर और वास्तविक समय के आधार पर विभिन्न मुद्दों के लिए उनकी सहायता करके, ऑनलाइन प्रतिक्रिया प्रबंधन (ओआरएम) के माध्यम से विभाग के ट्विटर हैंडल पर प्राप्त प्रश्नों के समाधान का भी समर्थन किया। करदाताओं और कर पेशेवरों का मार्गदर्शन करने के लिए ऑडिटेबल और टाईम-बाउंड फॉर्म दाखिल करने, आईटीआर-3/5/6 दाखिल करने, डीएससी पंजीकरण, फॉर्म 10बी/10बीबी दाखिल करने आदि से संबंधित आठ वेबिनार आयोजित किए गए। इससे संबंधित शैक्षिक वीडियो भी ई-फाइलिंग पोर्टल पर अपलोड किए गए थे।

केन्द्र की कमाई ज्यादा तो राज्य में विकास भी ज्यादा : आयकर दाताओं की संख्या बढ़ने का सीधा मतलब है सरकार के पास ज्यादा धन आना। सरकार की कमाई का सबसे बड़ा स्रोत टैक्स ही होता है जिसमें आयकर का बड़ा योगदान है। सरकार के पास ज्यादा धन आने का मतलब है देश में विकास का काम और तेज़ी से होना। इस साल के केन्द्रीय आम बजट में सरकार ने इंफ्रा विकास के लिये सबसे अधिक 10 लाख करोड़ रुपये स्वीकृत किये हैं। इसी का नतीजा है कि बड़े शहरों के साथ-साथ दूर दराज़ के क्षेत्रों में भी विकास को एक नई रफ्तार मिली है। खासकर, उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में इंफ्रा विकास के ऐसे-ऐसे काम हो रहे हैं, जिनकी आज से एक दशक पहले किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की दूरगामी सोच और उनके प्रयासों का ही नतीजा है कि आज दुर्गम पहाड़ी इलाकों में भी जहां सड़कों, पुलों, रेल पटरियों का निर्माण हो रहा है वहीं पर्यटन के लिये नई परियोजनाओं नींव भी डाली जा रही है।

यह सब कुछ इतनी तेज़ी से इसीलिये संभव हो पा रहा है क्योंकि केन्द्र खुल कर इंफ्रा विकास कामों पर पैसे खर्च कर रहा है और डबल इंजन की सरकार पुश-पुल दोनों तरह से काम कर पा रही है। आयकर दाताओं और जीएसटी आय के बढ़ते ग्राफ से यह उम्मीद और भी सबल हो जाती है कि आने वाले वर्षों में केन्द्र उत्तराखंड के विकास के लिये और बड़ी राशि मुहैया करायेगा।

खेल में हार नहीं होती, केवल जीत या फिर सीख होती है : प्रधानमंत्री मोदी

हर्ष रंजन
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली, 1 नवंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में एशियाई पैरा गेम्स के भारतीय दल के साथ बातचीत की और उन्हें संबोधित किया। यह कार्यक्रम एशियाई पैरा गेम्स 2022 में एथलीटों की उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई देने और उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरित करने का प्रधानमंत्री का एक प्रयास है।भारत ने एशियाई पैरा गेम्स 2022 में 29 स्वर्ण पदक सहित कुल 111 पदक जीते। एशियाई पैरा गेम्स 2022 में कुल पदक तालिका में पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (2018 में) की तुलना में 54% की बढ़ोतरी देखी गई, और मौजूदा 29 स्वर्ण पदकों की जीत 2018 के मुकाबले लगभग दोगुनी है।

प्रधानमंत्री ने पैरा-एथलीटों को संबोधित करते हुए कहा कि वे हमेशा उनसे मिलने और अपने अनुभव साझा करने को उत्सुक रहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ₹आप जब भी यहां आते हैं तो नई उम्मीदें और नया उत्साह लेकर आते हैं।₹ उन्होंने बल देकर कहा कि वे यहां सिर्फ एक काम के लिए आए हैं और वह है पैरा-एथलीटों को उनकी सफलताओं के लिए बधाई देना। उन्होंने बताया कि वे न केवल एशियाई

पैरा गेम्स के घटनाक्रमों पर करीब से नजर रख रहे थे बल्कि उसे जी भी रहे थे। उन्होंने खिलाड़ियों के योगदान की सराहना की और उनके कोचों और परिवारों को भी बधाई दी। श्री मोदी ने देश के 140 करोड़ नागरिकों की ओर से उनका आभार व्यक्त किया।

खेलों की अत्यधिक प्रतिस्पर्धी प्रकृति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने एथलीटों की अंदरूनी प्रतिस्पर्धा पर भी ध्यान दिया जब वे एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं। उन्होंने एथलीटों के उच्चतम स्तर के अभ्यास और समर्पण की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने कहा, ₹आप सभी जो यहां मौजूद हैं, उनमें से कुछ जीतकर आए, कुछ अनुभवों से समझदार बनकर आए हैं लेकिन कोई भी हारकर नहीं आया है।₹ प्रधानमंत्री ने खेलों में शामिल सीखने की प्रक्रिया का ज़िक्र करते हुए कहा, ₹खेल में हार नहीं होती, केवल जीत या फिर सीख होती है।

उन्होंने 140 करोड़ नागरिकों में से चुने जाने को पैरा-एथलीटों के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। कुल 111 पदकों के साथ रिकॉर्ड तोड़ सफलता का ज़िक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा, ₹आपकी सफलता पूरे देश को प्रेरित करती है और नागरिकों में गर्व की भावना भी पैदा करती है।

उत्तराखंड के गुंजी गाँव की खूबियां जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 नवंबर , वेदव्यास (Vedvyas) की स्थली के नाम से प्रसिद्ध उच्च हिमालयी गांव गुंजी का नाम इन दिनों देश में गूंज रहा है. जिसकी एक वजह है कि इस गांव का चयन केंद्र सरकार के वाइब्रेंट विलेज (Vibrant Village) योजना के तहत हुआ है. दूसरा कारण है कि चीन एवं नेपाल सीमा पर स्थित इस प्रथम गांव में पुलिस थाना खुल चुका है. तीसरा व महत्वपूर्ण कारण यह कि गुंजी ग्राम पंचायत तथा वन पंचायत क्षेत्र में सेना के ठेकेदारों द्वारा पेड़ों के कटान में मनमानी के मामले पर गुंजी के ग्रामीण आंदोलित हैं. वे तहसीलदार एवं उपजिलाधिकारी को इस मामले में ज्ञापन भी सौंप चुके हैं.

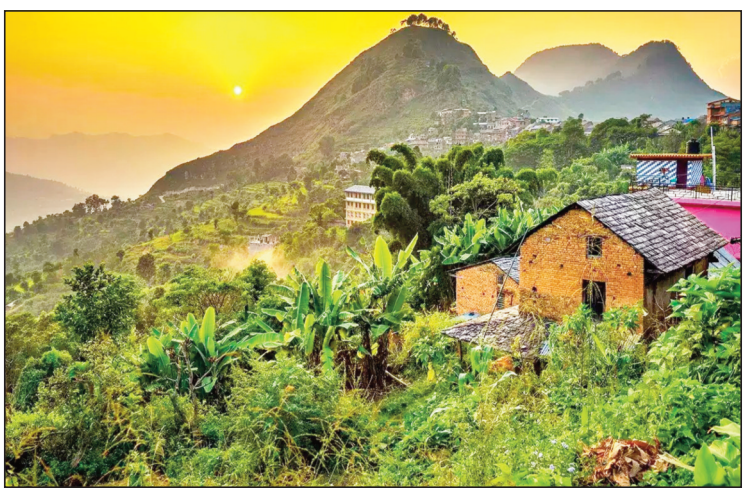

यहां से तिब्बत की दूरी मात्र 25 किमी है.

महर्षि वेद व्यास की व्यास घाटी में स्थित यह गांव सोलर लाइट से जगमगाता है. यहां पर दर्जनों होमस्टे, ढाबे, रेस्टोरेंट एवं होटल हैं. यहां पर अनुसूचित जनजाति के 250 से अधिक परिवार रहते हैं. इस गांव में आईएएस, पीसीएस अधिकारी तबके के लोगों की एक बड़ी जमात है.

गुंजी गांव की कुछ विशेषता :-

* पिथौरागढ़ में 11 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित गुंजी में पहली बार 'शिव महोत्सव' या 'शिवोत्सव' (Shiv Mahotsav 2021) का आयोजन किया गया था.

* यह पहला मौका था जब शिव की धरती पर 'शिव महोत्सव' आयोजित किया गया.

* गुंजी गांव कैलाश मानसरोवर यात्रा का अहम पड़ाव है.

* चीन और नेपाल बॉर्डर पर स्थित गुंजी दुनिया के सबसे खूबसूरत इलाकों में से एक है

* कैलाश मानसरोवर यात्रा का अहम रूट होने के साथ ही इस इलाके में आदि कैलाश (Aadi Kailash) और ऊं पर्वत (Om Parvat) भी मौजूद है.

* साल भर यहां गगनचुंबी चोटियां बर्फ से लदी रहती हैं. शीतकाल में 6 महीने तक यह इलाका बर्फ से ढका रहता है.

* गुंजी गांव में 1200 लोग रहते हैं. इसके अलावा भारतीय सेना, आईटीबीपी, एमएसबी, ग्रिफ के साथ ही कई अन्य विभाग भी यहां कार्य कर रहे हैं.

* यह देश का पहला ऐसा गांव है जहां 10 हजार फीट की ऊंचाई पर पुलिस थाना संचालित होता है.

* यहां पर भारत-चीन व्यापार का ट्रेड कार्यालय है तो बीआरओ, स्टेट बैंक की शाखा, कुमाऊं मंडल विकास निगम का पर्यटक आवास गृह भी स्थित है.

* काजा से समदो तक डबल लेन सड़क बन रही है.

क्या है 'वाइब्रेंट योजना' ?

यह ऐसा स्थल है जहां आधे साल बर्फ रहती है. चीन एवं नेपाल की सीमा के लिए यहां सेना और अर्धसैनिक बलों के जवान तैनात हैं. पहले धारचूला से यहां की दूरी करीब 84 किमी. थी. अब लिपुलेख सड़क बनने के बाद मात्र पांच घंटे में यहां पहुंचा जा सकता है. 'वाइब्रेंट योजना' (Vibrant) के तहत चयनित इस गांव के विकास के लिए करोड़ों रुपए के प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास भेजे जा चुके हैं. जिनमें पर्यटन विकास के लिए ट्रेकिंग रूट, पर्यटक विश्राम गृह का निर्माण, सेना का इंडोर स्टेडियम, ग्रामीणों की आजीविका बढ़ाने के लिए फार्म मशीनरी बैंक, हाईटेक शौचालयों का निर्माण के साथ ही सोलर वाटर हीटर एवं सोलर लाइटें लगाई जानी हैं. परंपरागत हस्तशिल्प के तहत थुलमा, चुटका को बढ़ावा दिया जाना है.

पॉजिटिव खबरें दिल दिमाग को स्वस्थ बनाती हैं, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 01नवंबर : सूचनाओं के इस दौर में निगेटिव खबरें लगातार आ रही हैं। निगेटिव सूचना क्रांति से थकान और तनाव बढ़ रहा है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पॉजिटिव खबरें खुशी और भावनात्मक लचीलापन बढ़ाती हैं। अलग-अलग विश्वविद्यालयों की रिसर्च के मुताबिक, लोग अच्छी खबरों पर बात करना और इन्हें साझा करना पसंद करते हैं। द हैप्पीअर किताब के लेखक और द हैप्पीनेस स्टडीज एकेडमी के फाउंडर डॉ. कहते हैं कि सकारात्मक खबरें पढ़कर लगता है कि दुनिया अच्छी जगह है। निगेटिव माहौल का सामना करने में मदद मिलती है। शॉर्ट टर्म में मूड अच्छा होता है और लॉन्ग टर्म में सुखद नजरिया मिलता है। हार्वर्ड से लेकर ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी तक की रिसर्च में सामने आया पॉजिटिव खबरें बढ़ाती है संतुष्टि...

तनाव और चिंता को कम करती हैं

साउथम्पटन यूनिवर्सिटी की 2016 में की गई एक रिसर्च के मुताबिक, पॉजिटिव खबरें और अच्छी जानकारियां हमारी मानसिकता में बदलाव

लाती हैं। जब हम पॉजिटिव खबरें पढ़ते हैं तो शरीर में तनाव हार्मोन का स्तर कम हो जाता है। वाशिंगटन की गोंज़ागा यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक, सकारात्मक खबरें साझा करने और पढ़ने से क्वालिटी ऑफ लाइफ भी सुधरती है। खासतौर पर जब आप परेशानी में हो या किसी आपदा के दौर से गुजर रहे हों तब सकारात्मक खबरें आपको जीने की नई उम्मीद देती हैं।

हार्ट को स्वस्थ बनाती हैं

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की 2018 की एक रिसर्च के मुताबिक, लगातार पॉजिटिव खबरें पढ़ने से हार्ट स्वस्थ बनता है। ब्लड प्रेशर संतुलित रहता है। इंसोमनिया यानी अनिद्रा की समस्या और मांसपेशियों के तनाव में भी यह फायदेमंद है। सकारात्मक खबरें तनाव भी कम करती हैं। ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी के रिसर्चर नथानिएल लैम्बर्ट ने 2012 में शोध में पाया कि जो लोग पॉजिटिव खबरें, स्टोरी और आर्टिकल शेयर करते हैं वे ज्यादा खुश रहते हैं। उनका नजरिया लगातार विकसित होता जाता है। सकारात्मक खबरें और अनुभव साझा करने से संतुष्टि चरम पर पहुंचने लगती है।

नॉलेज के लिए प्रेरित करती हैं

एंगेज्ड न्यूज प्रोजेक्ट नाम से 2014 में किए गए एक शोध के मुताबिक, जब लोग समाचार पत्र के पेज पर एक पॉजिटिव खबर पढ़ते हैं तो उनके लंबे समय तक उसी पेज बने रहने की संभावना बढ़ती है। यानी पॉजिटिविटी पढ़ने वाले को सुकून देती है, उसे आकर्षित करती है।

अच्छी नींद का फॉर्मूला ,चैन से सोना है तो चिंताओं को लिखें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 नवंबर : दुनियाभर में नींद बड़ी समस्या बनती जा रही है, 8 में से एक इंसान अनिद्रा का शिकार है। रात में नींद न आने से दिन भी खराब हो रहा है और काम करने की क्षमता घट रही है 'द स्लीप प्रिस्क्रिप्शन' किताब के लेखक और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक कहते हैं, अच्छी नींद इंसान को दयालु और क्रिएटिव बनाती है। यही नहीं, यह अच्छा पेरेंट और बेहतर जीवनसाथी बनाने में भी मददगार है। पैंथर ने किताब में बिना दवा को अच्छी नींद के कई वैज्ञानिक तरीके बताए हैं। समाधान नहीं, समस्या लिखना काफी दिन का कोई समय या सोने से पहले किसी निश्चित समय पर ऐसा करने से दिमाग पर वे परेशानियां सोते समय हावी नहीं होंगी। समस्या लिखिए, समाधान लिखने की जरूरत नहीं है। बेडरूम का इंटीरियर बदल सकते हैं एक ही जगह पर रोज एक ही तरीके से सोने से भी कई बार नींद नहीं आती। सोने की जगह नहीं बदल सकते तो दिशा बदल दीजिए कमरे का इंटीरियर बदल सकते हैं। पौष्टिक और हल्का खाना खाएं शाम को पौष्टिक और हल्का नाश्ता करें। टहलने जाएं। गाना सुनें। अपने बगीचे में पौधों के साथ समय

बिताएं। किताबों की अलमारियां साफ करें। परिवार के सदस्यों या फिर अपने दोस्तों से बात करें। कमरे के तापमान का ख्याल रखें लैपटॉप-कम्प्यूटर बेडरूम में न रखें। सोते वक्त कमरे को ठंडा और अंधेरा रखें। तेज रोशनी सोने नहीं देती। स्लीप मास्क का इस्तेमाल करना फायदेमंद हो सकता है। दिमाग को लैपटॉप की तरह मत ट्रीट कीजिए। सोने के लिए दिमाग का शांत होना जरूरी है। काम खत्म होने के बाद खुद को समय दीजिए। अपने पसंदीदा पुराने टीवी शो देखिए। अगर बिस्तर पर जाने के 20 मिनट तक नींद न आए तो उठ जाइए। घर में या छत पर टहलिए। किताबें पढ़िए। चाय-कॉफी से दूरी बनाएं। कम से कम सोने के 6 घंटे पहले तो कोशिश करें कि न ही पीएं।

मर्दों से ज्यादा औरतों को पसंद है ये आदत !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 नवंबर , ज्यादातर लोगों को दोपहर का खाना खाने के बाद सुस्ती आने लगती है. कई लोग ऑफिस में बैठे-बैठे झपकी भी लेने लगते हैं. वहीं, वैश्विक स्तर पर कुछ कंपनियां लंच के बाद अपने कर्मचारियों को 'पावर नैप' लेने का मौका भी देती हैं ताकि वे जागने पर फ्रेश फील करें. इससे उनकी कार्यक्षमता में इजाफा हो जाता है. घर में रहने वालों के लिए लंच के बाद छाने वाली सुस्ती बड़ी नहीं है. वहीं, ऑफिस में काम करने वालों के लिए ये समस्या बन जाती है. वहीं, विशेषज्ञों का कहना है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को लंच के बाद नींद की जरूरत ज्यादा महसूस होती है. इसे 'गर्ल नैप' कहा जाता है.

महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले ज्यादा नींद क्यों है ?

गर्ल नैप के कई कारण हो सकते हैं. विशेषज्ञों से जानते हैं कि दोपहर 3 से 5 बजे के बीच यानी लंच के कुछ देर बाद हमारी

एकाग्रता भंग क्यों होने लगती है और हमें नींद के झोंके क्यों आने लगते हैं? वहीं, ये भी जानने की कोशिश करते हैं कि महिलाओं को 'पावर नैप' की जरूरत ज्यादा क्यों होती है? लंच के बाद झपकी लेने की इच्छा मस्तिष्क को सुन्न करने लगती है. इस दौरान अगर हम कुछ काम कर रहे हैं तो उसमें गलती होने के आसार बहुत ज्यादा बढ़ जाते हैं. अगर आप मशीन से जुड़े काम या कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रहे हैं तो दुर्घटना की आशंका भी रहती है.

लंच के बाद क्यों महसूस होती है 'पावर नैप' की जरूरत

अमेरिका के नेशनल स्लीप फाउंडेशन के अध्ययनों में कहा गया है कि दिन में दो बार

ऐसा समय आता है, जब लोगों की सतर्कता सबसे कम होती है. ये दो समय सुबह 2 से 7 बजे और दोपहर 2 से 5 बजे के बीच आते हैं. पहले समय तो ज्यादातर लोग गहरी नींद में खोए रहते हैं. वहीं, दूसरा चरण सबसे ज्यादा मुश्किल होता है. इस दौरान आप जाग कर काम कर रहे होते हैं. दरअसल, दोपहर के भोजन के बाद हमारे शरीर में पाचन की क्रिया होती है. साथ ही रक्त में शुगर की मात्रा नियंत्रित रखने के लिए इंसुलिन रिलीज होता है. इससे ऊर्जा के स्तर में प्राकृतिक तौर पर गिरावट आती है. लिहाजा, लोगों को लंच के बाद आलस पैदा होता है और थोड़ी देर की नींद या पावर नैप की जरूरत महसूस होने लगती है.

सतपाल महाराज ने लोरमी की जन सभा में भरी चुनावी हुंकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून/छत्तीसगढ़ , 2 नवंबर , डेढ़ दशक में भारतीय जनता पार्टी के सुशासन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 9270 करोड़ के बजट को बढ़ाकर लगभग 1 लाख करोड़ किया। प्रदेश के 58 लाख परिवारों के लिए एक रूपए किलो चावल योजना बनाई।पीडीएस की आदर्श व्यवस्था लागू करने वाला यह देश का पहला राज्य बना, जबकि वहीं दूसरी ओर कांग्रेस सरकार में घोटालों की लम्बी फेहरिस्त लिखी गई।

छत्तीसगढ़ की जनता को दी 24वें राज्य स्थापना दिवस की बधाई

ये बात प्रदेश के लोकनिर्माण, पर्यटन, सिंचाई, पंचायतीराज ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने बुद्धवार को छत्तीसगढ़ के लोरमी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव के चुनाव प्रचार के दौरान आयोजित एक विशाल जनसभा को सम्बोधित हुए कही। कैबिनेट मंत्री महाराज ने माता कौशल्या की भूमि और भवन श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ की पावन धरा को प्रणाम करते हुए छत्तीसगढ़ की जनता को 24वें राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार लगातार देश में विकास कार्यों को तेजी के साथ आगे बढ़ा रही है। पूरे विश्व में आज भारत का डंका बज रहा है।

उन्होंने लोरमी की जनता से कहा कि वह यदि राज्य में विकास चाहते हैं, तो इसके लिए डबल इंजन की सरकार चाहिए। इसलिए सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास के लिए लोरमी विधानसभा क्षेत्र से अरूण साव को प्रचंड बहुमत से विजयी बना कर राज्य में भाजपा की सरकार को सत्ता में लायें।

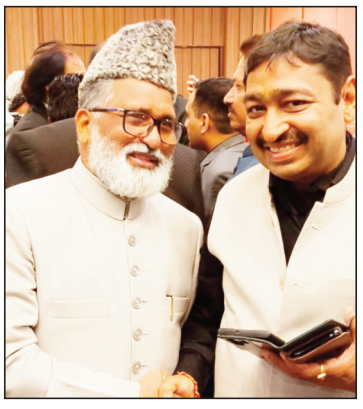

"दून सिटीजन काउंसिल" द्वारा होटल मधुबन राजपुर रोड, धेरादून में आयोजित "प्राइड ऑफ उत्तराखंड अवार्ड" समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, केरल के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान जी द्वारा मुझे भी सम्मानित किया गया। मैं श्री आरिफ साहब और दून सिटीजन काउंसिल के महासचिव डॉ. सैयद फारूक के प्यार और स्नेह के लिए आभारी हूं। इस कार्यक्रम में श्री अशोक कुमार, IPS DGP, उत्तराखंड पुलिस, डॉ. संजीव चोपड़ा, IAS, पूर्व निदेशक, LBSNA, प्रोफेसर डॉ. सुरेखा डंगवाल (कुलपति) दून विश्वविद्यालय, देहरादून और अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

-मुफ्ती शमून कासमीअध्यक्ष-मदरसा शिक्षा परिषद, उत्तराखंड सरकार!

डॉ. तिलोत्तमा सिंह को मिला उत्तराखंड टीचर ऑफ द ईयर अवार्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 नवंबर। उत्तरांचल विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (स्कूल ऑफ मैनेजमेंट) डॉ. तिलोत्तमा सिंह को उत्तराखंड टीचर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। पुरस्कार स्क्रीनिंग समिति के जूरी सदस्यों द्वारा देहरादून अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव में उत्तराखंड के टीचर ऑफ द ईयर अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया। डॉ तिलोत्तमा आईआईएम से प्रमाणित एचआर विश्लेषक हैं। वर्तमान में

■ उत्तरांचल विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर हैं तिलोत्तमा सिंह

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट,उत्तरांचल विश्वविद्यालय के प्रमुख और एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। डॉ तिलोत्तमा 16 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ एक प्रखर शिक्षाविद, शोधकर्ता और प्रशिक्षण हैं। सस्टेनेबिलिटी, मानव संसाधन और इमोशनल स्पिरिचुअल कोटिएंट, जिसमें उनके नाम से कई अंतरराष्ट्रीय किताबें और पेपर भी प्रकाशित हो चुकी हैं।

आंदोलनरत शिक्षकों की समस्या का समाधान भाजपा सरकार में ही संभव: भट्ट

■ भाजपा पार्टी मुख्यालय पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 नवंबर। भाजपा ने आंदोलनरत शिक्षक एवं अन्य संगठनों को आश्वस्त किया है कि उनकी मांगों का श्रेष्ठ समाधान भाजपा सरकार में ही संभव है। पार्टी मुख्यालय पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने शिक्षकों की मांगों के सवाल का जवाब देते हुए कहा, मुख्यमंत्री धामी के प्रयासों से हम आंदोलनकारी राज्य का तमगा हटाने में सफल हुए हैं।

हालांकि प्रत्येक कर्मचारी को अपनी समस्याओं और मांगों को उठाने का अधिकार है यही वजह है कि एक समय था कि प्रदेश ने सरकारी कर्मचारी संगठन अक्सर अपनी मांगों को लेकर लंबे समय तक आंदोलन की स्थिति में बने रहते थे। लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने कुशल नेतृत्व से उनकी समस्याओं और मांगों पर गंभीरता से समाधान के प्रयास किए।यही वजह है कि आज इस तरह के आंदोलन, धरना प्रदर्शन इत्यादि का अब स्वरूप पहले जैसा नहीं दिखाई देता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, हमारी पार्टी और सरकारें दोनों समाधान के लिए लगातार कार्य करने में विश्वास करती हैं।श्री भट्ट ने कहा, जहां तक सवाल है शिक्षक संगठनों का तो, कई मर्तबा नीतिगत फैसले और वित्तीय प्रबंधन भी इसमें एक विषय रहता है। लेकिन सरकार उनकी मांगों के समाधान को लेकर गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के नाते आश्वस्त करते हुए कहा, कर्मचारियों की समस्या का समाधान यदि किसी राजनैतिक दल की सरकार में हो सकता है तो वह भाजपा की सरकार में ही हो सकता है।

लोकसभा निर्वाचन के लिए मतगणना केंद्र बनाने के लिए डीएम दीपक मीणा ने किया निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मेरठ 02 नवंबर। आगामी लोकसभा निर्वाचन के लिए मतगणना केन्द्र बनाये जाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी मेरठ दीपक मीणा ने कताई मिल व लोहिया नगर सब्जी मंडी का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कताई मिल व लोहिया नगर सब्जी मंडी का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, उप जिलाधिकारी सदर गामिनी सिंगला, एसपी सिटी पीयूष कुमार, अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार, जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जंगल में मंगल

प्रमुख वन संरक्षक डॉ. समीर सिन्हा की देखरेख में नर बाघ को मिली आज़ादी

गढ़वाल वन प्रभाग पौड़ी की दीवा रेंज धुमाकोट से किया था नर बाघ का रेस्क्यू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 02 नवंबर। वन संरक्षक प्रमुख डॉ. समीर सिन्हा के नेतृत्व में गढ़वाल वन प्रभाग पौड़ी की दीवा रेंज धूमाकोट से 27 अक्तूबर को एक नर बाघ को रेस्क्यू किया गया था। जिसको 31 अक्तूबर को स्वास्थ्य प्रशिक्षण के बाद नर बाघ को डॉ. समीर सिन्हा की देखरेख में कार्बेट टाइगर रिजर्व के कालागढ़ रेंज के कोर जोन में सुरक्षित छोड़ा गया।

वन संरक्षक प्रमुख डॉ. समीर सिन्हा ने बताया कि गढ़वाल वन प्रभाग पौड़ी की दीवा रेंज धूमाकोट से 27 अक्तूबर को एक नर बाघ को रेस्क्यू किया गया था। जबकि 28 अक्तूबर को बाघ की स्वास्थ्य परीक्षण के लिए ढेला स्थित रेस्क्यू सेन्टर लाया गया। ढेला स्थित रेस्क्यू सेन्टर में वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी कार्बेट टाइगर रिजर्व द्वारा उक्त बाघ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण उपरान्त बाघ का स्वास्थ्य सही पाया गया। जंगल सर्वाईवल के लिए उचित पाये जाने पर उक्त नर बाघ को रेडियो कॉलर लगाये जाने के बाद 31 अक्तूबर को कार्बेट टाइगर रिजर्व के कालागढ़ रेंज के कोर जोन में सुरक्षित छोड़ा गया।

प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव) व मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक उत्तराखंड डॉ. समीर सिन्हा द्वारा वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी, डब्लूडब्लूएफ एवं कार्बेट टाइगर रिजर्व के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रतिदिन उक्त नर बाघ की गश्त कर रेडियो टेलीमेट्री के माध्यम से निगरानी किये जाने के लिए निर्देशित किया गया था।

उक्त नर बाघ के रेडियो कॉलरिंग तथा वन क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ने के दौरान प्रमुख वन संरक्षक डॉ. समीर सिन्हा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

कालगढ़ रेंज में ये अधिकारी रहे मौजूद -

प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव) व मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक उत्तराखंड देहरादून डॉ. समीर सिन्हा, फील्ड डायरेक्टर, कार्बेट टाइगर रिजर्व रामनगर (नैनीताल) डॉ. धीरज पांडेय, वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी कार्बेट टाइगर रिजर्व रामनगर (नैनीताल) डॉ. दुष्यंत शर्मा, उप प्रभागीय वनाधिकारी बिजरानी कार्बेट टाइगर रिजर्व रामनगर (नैनीताल) अमित कुमार ग्वासीकोटी, उप प्रभागीय वनाधिकारी कालागढ़ कार्बेट टाइगर रिजर्व रामनगर (नैनीताल) डॉ. शालिनी जोशी, संदीप गिरी, वन क्षेत्राधिकारी ढेला, नन्द किशोर रूवाली, वन क्षेत्राधिकारी, कालागढ़, मिराज अनवर, डब्लूडब्लूएफ, अजित कुमार चौहान वन आरक्षी झिरना रेंज सहित अन्य स्टाफ के लोग मौजूद रहे।

तांशी आर्ट्स की इंवोग दिवाली एग्जिबिशन आज से

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से साल में दो बार की जाने वाली तंशी आर्ट्स द्वारा इन्वोग एग्जिबिशन आज से दो दिन के लिए तिलक रोड स्थित तांशी आर्ट्स में आरंभ हो रही है।जानकारी देते हुए आयोजक स्मृति लाल ने बताया कि साल में दो बार यह आयोजन करती है जहां पर महिलाओं को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से एक प्लेटफार्म दिया जाता है । यहां पर वे अपने उत्पाद प्रदर्शित कर सकती हैं।दीपावली एक ऐसा मौका है जिसमें हर कोई शॉपिंग करने के उद्देश्य से यहां पर आता है और इन महिलाओं की हौसला अफजाई करता है । इस बार भी इसी उद्देश्य से तीन व चार नवंबर को यह आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन तीन तारीख को 11:00 बजे किया जाएगा उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की बहुत

खुशी है कि वे महिलाओं के लिए इस तरह का एक प्लेटफार्म तैयार कर पाई हैं और महिलाओं को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने में अपना योगदान दे रहीं है।

एसएसपी अजय सिंह प्राइड ऑफ़ दून अवार्ड से सम्मानित

दून सिटिज़न काउन्सिल द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल केरल आरिफ मोहम्मद खान ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह को ₹PRIDE OF DOON AWARD₹ से सम्मानित किया है।

हल्द्वानी में लाखों की चोरी का एसएसपी नैनीताल ने किया खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी 02 नवंबर : संजय अग्रवाल पुत्र स्व0 चंदा राम नि0 बजरंग मोटर्स रामपुर रोड हल्द्वानी द्वारा कोतवाली हल्द्वानी में आकर तहरीर दी गयी कि अज्ञात चोरों द्वारा दिनांक 14.10.2023 को वादी के रामपुर रोड में स्थित बजरंग मोटर्स शोरूम में घुसकर ऑफिस का दरवाजा तोड़कर तिजोरी चोरी कर ली गयी है। तहरीर के आधार पर कोतवाली हल्द्वानी में मु0अ0सं0-520/23 धारा-380/457 भादवि0 के अन्तर्गत अभियोग दर्ज किया गया।पुलिस कार्यवाही- प्रहलाद नारायण मीणा, एस0एस0पी0 नैनीताल द्वारा शोरूम में हुई नकबजनी की घटना का खुलासा करने हेतु सम्बन्धित अधीनस्थ अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये गये। हरबंस सिंह, एस0पी0 सिटी हल्द्वानी के मार्गदर्शन एवं भूपेन्द्र सिंह धोनी, सी0ओ0 हल्द्वानी के निकट पर्यवेक्षण में हरेन्द्र चौधरी प्रभारी निरीक्षक हल्द्वानी के नेतृत्व में

टीमों का गठन किया गया। टीमों द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सी0सी0टी0वी0, संदिग्धों से पूछताछ व क्षेत्र में मुखबिर मामूर किये गये।

पुलिस कार्यवाही के दौरान लगभग 300 से अधिक सी0सी0टी0वी0 कैमरों से फीड लेकर संदिग्धों की तलाश करने हेतु 15 से अधिक टोलों में चेकिंग की गयी। काफी प्रयासों के पश्चात पुलिस टीम द्वारा घटना में संलिप्त चोरों की जानकारी प्राप्त हुई और मध्यप्रदेश के इंदौर जिले के थाना तेजाजी नगर क्षेत्र 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है एवं शेष 02 आरोपियों की तलाश जारी है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की धनराशि भी बरामद कर ली गयी। इसके अतिरिक्त अभियुक्त गणों द्वारा घटना हेतु जिस किराये का वाहन मारुति संख्या-MP09ZV6880 का प्रयोग किया गया था, उक्त वाहन को भी मौके से कब्जे पुलिस लिया गया।

अभियुक्तों से पूछताछ- आरोपियों से पूछताछ पर ज्ञात हुआ कि आरोपी मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं तथा इनके द्वारा प्राइवेट कार को प्रतिदिन 3000 की दर से किराये में लिया गया तथा उससे दिनांक-14.10.2023 को हल्द्वानी पहुंचकर शोरूमों की रेकी गयी। जिसके बाद मौका पाकर रामपुर रोड स्थित महिंद्रा के शोरूम में रात के समय घुसकर वहां रखी तिजोरी उठाकर गाड़ी में डालकर ले गये व बेलबाबा से आगे टांडा जंगल पर इनके द्वारा तिजोरी को लोहे के घन से तोड़ा गया और उसमें रखकर लाखों की नगदी लेकर फरार हो गये। जिसे पुलिस द्वारा बरामद कर लिया गया।

बरामदगीः- घटना में प्रयुक्त वाहन मारुति संख्या- MP09ZV6880, 2.3 लाख रुपये नकदी, शोरूम से चोरी की गयी तिजोरी व उसे तोडने में प्रयुक्त लोहे का घन (बडा हथौडा) व रौड।

गिरफ्तार अभियुक्तः- 01. राहुल मोहिते पुत्र कमल मोहिते नि0 मरीमाता मोरोद थाना तेजाजीनगर, इन्दौर मध्यप्रदेश।02. करन चौहान पुत्र सीताराम नि0 उपरोक्त।

कृषि मंत्री गणेश जोशी का विदेश दौरे से लौटने पर हुआ भव्य स्वागत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 02 नवम्बर। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी अपने 10 दिवसीय मैक्सिको और फ्रैंकफर्ट के सफलतम विदेश दौरे से लौटने पर आज हाथीबड़कला स्थित कैंप कार्यालय में भाजपा के पार्टी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं स्थानीय जनता द्वारा कृषि मंत्री गणेश जोशी का देहरादून आगमन पर फूल मालाओं पुष्प गुच्छ देकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।कृषि मंत्री गणेश जोशी बीते 22 अक्टूबर से विदेश दौरे पर थे। जहां उन्होंने मैक्सिको के कैनकुन शहर में थोक बाजार के वैश्विक संघ द्वारा आयोजित थोक बाजारों का विश्व संघ सम्मेलन 2023 में प्रतिभाग किया था। इसके अतिरिक्त मंत्री गणेश जोशी ने जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में थोक फल एवं सब्जी बाजार (मंडी) का भी भ्रमण किया गया। स्वागत समारोह में बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला ने मंत्री गणेश जोशी के सफलतम 10 दिवसीय विदेश दौरे को लेकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि कौसाम्ब के अध्यक्ष होने के नाते उनके द्वारा यह भ्रमण किया गया। मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा इस अंतराष्ट्रीय स्तर के सम्मलेन में 165 देशों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सम्मलेन में मंडियों के आधुनिकीकरण, बुनियादी ढांचे और भविष्य की चुनौतियों को लेकर मंथन किया गया। मंत्री गणेश जोशी ने कहा थाईलैंड और नीदरलैंड होल्टीकल्चर और फ्लोरी कल्चर में बेहतर कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा उत्तराखंड में होल्टीकल्चर और फ्लोरी कल्चर की अपार संभावनाएं है। मंत्री ने कहा शीघ्र ही राज्य में होल्टीकल्चर एवं फ्लोरी कल्चर के क्षेत्र में फील्ड में कार्य कर रहे लोगों को थाईलैंड और नीदरलैंड का भ्रमण कराया जाएगा। जिसके लिए दूरभाष के माध्यम से मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा यह दल थाईलैंड और नीदरलैंड का भ्रमण के पश्चात प्रदेश में अपने अनुभवों को साझा करेंगे। मंत्री ने कहा विदेश भ्रमण के दौरान सभी अनुभवों का लाभ लेकर उत्तराखण्ड में थोक विपणन में विकासयुक्त परिवर्तन किये जायेंगे ताकि कृषि उपज के विपणन को आधुनिक किया जा सकें।

इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के अपार स्नेह के लिए सभी का आभार भी व्यक्त किया।

इन लोगों ने किया स्वागत -

इस अवसर पर सरकार में दर्जाप्राप्त ज्योति प्रसाद गैरोला, मधु भट्ट, महापौर सुनील उनियाल गामा, जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल, महामंत्री सुरेन्द्र राणा, विजेन्द्र थपलियाल, आदित्य चौहान, अनिल गोयल, अजीत चौधरी, पूनम नौटियाल, मण्डल अध्यक्ष प्रदीप रावत, राकेश रावत, ज्योति कोटिया, अरविन्द डोभाल, निरंजन डोभाल, वीर सिंह चौहान, संध्या थापा, आरएस परिहार, सुनीता सिरोही, गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम बहादुर थापा, पीबीओआर के अध्यक्ष पीटीआर शमशेर सिंह बिष्ट, कर्नल वाईएस भण्डारी, प्रभा शाह, अरुणा शर्मा, रश्मि, पुष्पा बिष्ट, नैन सिंह पंवार, वन्दना बिष्ट, भावना चौधरी, श्याम सुन्दर चौहान, अजय काला, मनमोहन, अंकित जोशी, आशीष थापा, मनोज क्षेत्री, सपना शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रुद्रपुर : डीएम ने कलेक्ट्रेट सभागार में की जिला उद्योग मित्र की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर 02 नवंबर : जनपद के डीएम उदराज सिंह की अध्यक्षता में जिला उद्योग मित्र की बैठक डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में डीएम ने कहा कि जनपद में औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ी सभी समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाये। उन्होंने कहा कि जनपद में उद्योग जगत की हर संभव मदद की जायेगी। उन्होंने बताया कि ओद्योगिक क्षेत्रों में मिट्टी भरान के लिए मिट्टी के लिए भटकना न पड़े, इसलिए पहले ही मिट्टी उठान हेतु भूमि चिन्हित कर ली गई है।

बैठक में उद्यमियों ने जिला पंचायत द्वारा जनपद में अपनी चौकियों के माध्यम से वसूले जा रहे माल-भाड़ा सुविधा शुल्क बन्द कराने की मांग की, जिस पर जिलाधिकारी ने अपर मुख्य अधिकारी को तत्काल माल-भाड़ा सुविधा शुल्क के सम्बन्ध में मार्ग-दर्शन हेतु शासन से पत्राचार करने के निर्देश दिये तथा शासन से जवाब आने तक माल-भाड़ा सुविधा शुल्क बन्द करने के आदेश दिये। उद्यमियों द्वारा अवगत कराया गया कि श्रम विभाग द्वारा उद्यमियों को अनावश्यक परेशान किया जा रहा है तथा पत्रांक रहित पत्र भेजे जा रहे हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने उद्यमियों से कहा कि पत्रांक रहित भेजे गये पत्रों की प्रति जीएम डीआईसी को उपलब्ध कराई जायें ताकि सम्बन्धितों के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जा सके।

बैठक में उद्यमियों द्वारा अवगत कराया गया कि परिसीमन के पश्चात नगर निगम में शामिल क्षेत्रों में स्थापित इण्डिस्ट्रीज को निगम द्वारा टैक्स हेतु नोटिस जारी किये जा रहे हैं, जिस पर जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने कहा कि यदि कोई इंडस्ट्री, नोटिफाइड क्षेत्र से बाहर है तो उससे टैक्स न वसूलने से सम्बन्धित प्रस्ताव शासन को भेजा जायेगा। उन्होंने बताया कि अधिसूचित इन्डस्ट्रीयल क्षेत्रों में नगर निकाय टैक्स नहीं वसूल सकते हैं। उन्होंने भदईपुरा, गाबा चौक-जाफरपुर मार्ग पर एनएच पर बरसात में जलभराव की समस्या से अवगत कराया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक एनएचएआई को जल निकासी हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

उन्होंने ओमैक्स के सामने एनएच पर कट खुलवाने हेतु परिवहन, एनएचएआई, पुलिस विभाग के अधिकारियों को सड़क सुरक्षा के अन्तर्गत परीक्षण करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही बैठक में श्रम विभाग द्वारा थर्ड पार्टी ऑडिट की दरों वृद्धि, धरना प्रदर्शन क्षेत्र, बायो मेडिकल वेस्ट निस्तारण, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनापत्ति प्रमाण पत्र, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड काशीपुर के कार्यालय को स्थानान्तरण किये जाने, ईएसआई द्वारा मेडिकल सुविधाओं हेतु बोर्ड का गठन आदि से सम्बन्धित विषयों भी विस्तार से चचा हुई। बैठक में एडीएम जय भारत सिंह, केजीसीसीआई अध्यक्ष अशोक बंसल, एसईडब्ल्यूएस अध्यक्ष श्रीकर सिन्हा, एसएसआईडब्ल्यूए के अध्यक्ष कृष्ण सत्यावली, पीडी एनएचएआई विकास मित्तल, क्षेत्रीय अधिकारी पीसीबी नरेश गोस्वामी सहित जनपद के उद्यमी एवं अधिकारी उपस्थित रहें।

तीन दिवसीय गोर्खा दशै दिवाली महोत्सव 3 नवंबर से

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 नवंबर। महेंद्र ग्राउंड गढ़ी कैंट देहरादून में तीन दिवसीय गोर्खा दशै दिवाली महोत्सव होगा। 3 से 5 नवंबर तक चलने वाले गोर्खा दशै दिवाली महोत्सव में गोर्खाली, गढ़वाली व कुमाऊनी संस्कृति के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। तीन दिवसीय कार्यक्रम के मुख्यातिथि महामहिम शंकर प्रसाद शर्मा, नेपाल के राजदूत और आचार्य बालकृष्ण होंगे।वीर गोर्खा कल्याण समिति देहरादून द्वारा तीन दिवसीय गोर्खा दशै दिवाली महोत्सव होगा।

महेंद्र ग्राउंड गढ़ी कैंट देहरादून में होगा दिवाली महोत्सव

कार्यक्रम में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। बुधवार को प्रेस क्लब समीप स्थित उज्ज्वल रेस्टुरेंट में आयोजित प्रेसवार्ता में वीर गोर्खा कल्याण समिति सदस्यों ने यह जानकारी दी। जिसमें वीर गोर्खा कल्याण समिति के अध्यक्ष कमल थापा ने बताया कि इस बार हम गोर्खा दशै दिवाली महोत्सव 2023 का आयोजन 3 से 5 नवंबर को करने जा रहे हैं। आयोजन में पिछले साल से बेहतर तैयारी की जा रही है। समिति के महासचिव विशाल थापा ने कहा कि हमारे विशिष्ट अतिथियों में डॉक्टर रमेश पोखरियाल निशंक, टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह, मसूरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक गणेश जोशी, प्रेमचंद अग्रवाल, डीजीपी अशोक कुमार, दीप्ति जोशी, अनिर्वाण दत्ता एवं प्रेम तमांग, गोर्खा डेवलपमेंट काउंसिल के प्रेसिडेंट होंगे। वहीं संस्था के कोषाध्यक्ष व मीडिया प्रभारी टेकु थापा ने कहा अंतरराष्ट्रीय कलाकारों में इस बार देहरादून के लोगों के लिए हम लेकर आए हैं श्याम राणा मगर जो नेपाल के बहुत ही लोकप्रिय एवं प्रसिद्धि प्राप्त कलाकार हैं। प्रेस वार्ता में में वीर गोर्खा कल्याण समिति के अध्यक्ष कमल थापा , वरिष्ठ उपाध्यक्ष उर्मिला तामाङ , उपाध्यक्ष सूर्य बिक्रम शाही, महासचिव विशाल थापा, कोषाध्यक्ष टेकु थापा, सचिव- देविन शाही,सह-सचिव आशु थापा, सांस्कृतिक सचिव देवकला दीवान,सह सांस्कृतिक सचिव करमिता थापा, संगठन मंत्री लोकेश बन, सोनु गुरूगं सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

इस गांव में 3 फीट के बाद नहीं बढ़ती किसी भी बच्चे की लंबाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 नवंबर : ऐसे तो दुनिया में हर तरीके के लोग देखने को मिलते हैं। जैसे किसी की लंबाई कम होती है तो किसी की ज्यादा। कोई मोटा होता है तो कोई पतला। लेकिन क्या आपने कभी किसी ऐसे गांव को बारे में सुना है जहां लोगों को लंबाई न बढ़ने का श्राप मिला है।

यहां किसी भी बच्चे की लंबाई तीन फीट से ज्यादा नहीं होगी।जी हां, ये अनोखा गांव चीन के शिचुआन प्रांत में स्थित है। इसको यांग्सी कहा जाता है। कहा जाता है कि इस गांव को श्राप मिला है कि यहां किसी की भी लंबाई तीन फीट से ज्यादा नहीं होगी। यहां के बच्चों की लंबाई सिर्फ सात साल तक ही बढ़ती है, इसके बाद बच्चों की उम्र तो बढ़ती है लेकिन उनकी लंबाई बस तीन फीट ही रह जाती है। इस वजह से इस गांव को बोनो का गाँव कहा जाता है। हर तरफ इस अनोखे गांव की चर्चा होने लगी तो कुछ वैज्ञानिकों ने यहां के लोगों पर रिसर्च कर ये जानना चाहा कि आखिर इसके पीछे क्या कारण है। लेकिन इस काम में उन्हें कोई खास कामयाबी हासिल नहीं हो सकी। यहां रहने वाले लोगों का कहना है कि इस गांव को आज से नहीं बल्कि सदियों पहले एक शाप मिला था, जिसकी वजह से यहां के बच्चों की लंबाई आज भी नहीं बढ़ रही है।

अहमदावाद में उद्योग समूहों के साथ 20 हज़ार करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू : धामी

सीएम की उपस्थिति में 50 से अधिक उद्योग समूहों के साथ एमओयू

सीएम धामी ने निवेशकों को उत्तराखंड आमंत्रित किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 नवंबर , उत्तराखण्ड में आगामी 8-9 दिसंबर को होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हेतु अहमदावाद में आयोजित रोड शो में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में 50 से अधिक उद्योग समूहों के साथ 20 हज़ार करोड़ के एमओयू किए गए, जिसमें शीतल ग्रुप और कंपनी, रैंकर्स हॉस्पिटल, ज़िवाया वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड, एस्ट्रल पाइप्स, वारमोरा टाइल्स, गुजरात अंबुजा एमकेसी इंसा इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और अमूल शामिल हैं।इसके अलावा कमोडिटी ट्रेडिंग, एडी मेहता लॉजिस्टिक्स, फ्रेंड्स एंड फ्रेंड्स ग्रुप ऑफ कंपनीज, पारेख वेंचर्स एलएलपी, वी मिलक इंटरप्राइजेज, आर्य ओशियन लॉजिस्टिक्स पार्क, हिंदुस्तान ऑयल इंडस्ट्रीज, सुपैक इंडस्ट्रीज, श्रीजी ग्रुप, एनबी ग्रुप, शांताकारम निगम, अपोलो ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, पंचकर्म होटल और रिसॉर्ट्स (ट्राइडेंट), साबरमती विश्वविद्यालय, लीला होटल और रिसॉर्ट्स, हॉप्स हेल्थकेयर, प्राइम फ्रेश, दत्त मोटर्स, नेक्सस इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू किए गए।उत्तराखण्ड में आगामी 8-9 दिसंबर को होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हेतु मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अहमदाबाद में आयोजित रोड शो में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न उद्योग समूहों के साथ बैठक करते हुए सभी निवेशकों को समिट के लिए आमंत्रित भी किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत अहमदाबाद में यह छठवां रोड शो आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने 08 और 09 दिसम्बर 2023 को देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में निवेशकों को आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात भगवान श्रीकृष्ण की धरा है। महात्मा गांधी और सरदार पटेल जैसे महापुरूषों की यह भूमि है। इस भूमि ने भारत को नरेन्द्र मोदी जैसे प्रधानमंत्री दिये हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक पटल पर एक अलग पहचान बनाई है। आज दुनिया में भारत का मान-सम्मान और स्वाभिमान बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में उद्योगों के विकास के लिए सरकार द्वारा लगातार कार्य किये जा रहे हैं। उद्योग जगत से जुड़े लोगों के सुझावों को ध्यान में रखते हुए 30 नई नीतियां बनाई गई हैं। कई नीतियों को और सरल बनाया गया है। उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान भी जो सुझाव प्राप्त हो रहे हैं, उन सभी पर अमल किया जा रहा है। राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है। इसको और प्रभावी बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य को बने 23 साल हो गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में निवेश के लिए अपार संभावनाएं हैं। राज्य में 06 हजार एकड़ का लैंड बैंक बनाया गया है। राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में निवेश करने वालों के लिए और प्रोत्साहन दिया जायेगा। उत्तराखण्ड का प्राकृतिक सौन्दर्य और बेहतर मानव संसाधन निवेशकों को उत्तराखण्ड आने के लिए आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में ईकोलॉजी और ईकोनॉमी में संतुलन बनाते हुए कार्य किये जा रहे हैं। उत्तराखण्ड कर्मभूमि बनाने के लिए अच्छा डेस्टिनेशन है। राज्य में हवाई, रेल, रोड और रोपवे कनेक्टिविटी के साथ तेजी से विस्तार हो रहा है। उत्तराखण्ड में चारधाम यात्रा में इस वर्ष अभी तक 52 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। कुमांऊ मण्डल में मानसखण्ड मन्दिर माला मिशन के तहत तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल ने कहा कि उद्योगों की स्थापना के लिये उत्तराखण्ड में शांतिपूर्ण वातावरण है। राज्य में तेजी से निवेश बढ़े इसके लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नीतियों के सरलीकरण एवं नई नीतियों के क्रियान्वयन के लिए लगातार कार्य किये जा रहे हैं। उद्योगों की स्थापना के लिए ट्रांसपोर्टेशन, विद्युत आपूर्ति और बेहतर मानव संसाधन की आवश्यकता होती है, जो सब उत्तराखण्ड के पास हैं। उत्तराखण्ड सबसे सस्ती बिजली देने वाला राज्य है। कनेक्टिविटी का राज्य में तेजी से विस्तार हुआ है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, सचिव विनय शंकर पाण्डेय, महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े निवेशक मौजूद थे।

सीएम धामी ने साबरमती रिवर फ्रंट क्षेत्र का भ्रमण किया

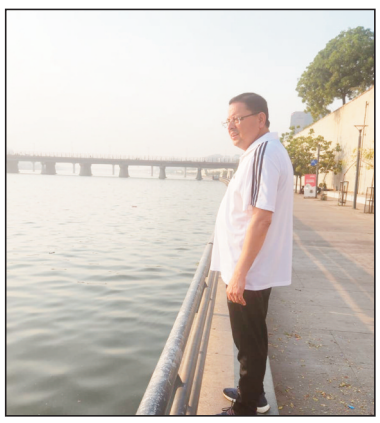

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अहमदाबाद , 2 नवंबर , अहमदाबाद दौरे पर गुजरात पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साबरमती रिवर फ्रंट क्षेत्र का भ्रमण किया। प्रातः काल मॉर्निंग वॉक पर उन्होंने देखा कि सुनियोजित रुप से विकसित किया गया यह रिवर फ्रंट गुजरात के विभिन्न पर्यटन स्थलों में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। देश-विदेश से इस रिवर फ्रंट प्रोजेक्ट को लगभग 20 से अधिक पुरस्कार मिले हैं।इस दौरान मुख्यमंत्रीश्री पुष्कर सिंह धामी ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर गुजरात के विकास पर उनके विचार एवं अनुभव को सुना और उन्हें देवभूमि उत्तराखण्ड आने के लिए आमंत्रित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि साबरमती रिवर फ्रंट को बहुआयामी रूप से विकसित कर पर्यटन केंद्र बनाने का अभूतपूर्व कार्य गुजरात प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में हुआ है। यह फ्रंट इकोलॉजी और इकॉनमी के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद में अटल फुट ओवर ब्रिज का किया भ्रमण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अहमदाबाद , 2 नवंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साबरमती रिवरफ्रंट के पश्चिम और पूर्वी हिस्से को जोड़ने वाले प्रतिष्ठित अटल फुट ओवर ब्रिज का भ्रमण किया। उन्होंने इसे आधुनिक तकनीकि का बेजोड़ नमूना बताया, उन्होंने कहा कि यह पुल अपने सुंदर संरचना से साबरमती के सौंदर्य से भी पर्यटकों को आकर्षित कराता है। इसमें लोगों के आवागमन की भी बेहतर व्यवस्थायें की गई हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अटल ब्रिज के प्रोजेक्ट हेड सुशांत से जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने सचिव विनय शंकर पांडे को उत्तराखंड में भी अटल ब्रिज की तर्ज पर ब्रिज बनाए जाने की संभावनाएं तलाशे जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अटल ब्रिज देखने हेतु विभिन्न प्रदेशों से आए पर्यटकों से भी मुलाकात की।

डॉ. जगमोहन शर्मा ने इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक का कार्यभार सँभाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 नवंबर , 1990 बैच के कर्नाटक कैडर के भारतीय वन सेवा अधिकारी डॉ. जगमोहन शर्मा ने इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए) के निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने भारत ज्योति का स्थान लिया जो अब सेवानिवृत्त हो गए। आईजीएनएफए के निदेशक के रूप में शामिल होने से पहले वह महानिदेशक, पर्यावरण प्रबंधन और नीति अनुसंधान संस्थान (ईएमपीआरआई), बेंगलुरु में महानिदेशक के रूप में कार्यरत थे।डॉ. जगमोहन शर्मा को कर्नाटक राज्य सरकार के तहत अनेक महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य का व्यापक अनुभव है जिनमें, नोडल अधिकारी वन संरक्षण अधिनियम; नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान; भद्रावती प्रादेशिक प्रभाग; मांड्या सामाजिक वानिकी; कोडागु सर्कल; वर्किंग प्लान; मुख्यालय; कार्मिक एवं भर्ती शामिल हैं। वे केंद्र सरकार के अधीन संयुक्त निदेशक (वन्यजीव); संयुक्त निदेशक (दिल्ली चिड़ियाघर), एआईजीएफ (ईएपी)का पदभार भी संभाल चुके हैं। उनके द्वारा प्रकाशित कार्यों में सात अंतर्राष्ट्रीय जर्नल; 22 राष्ट्रीय जर्नल; एक मैनुअल, छह रिपोर्टें, एक बुक-चैप्टर और एक पॉलिसी पेपर शामिल है। साथ ही, उनके पर्यावरण एवं जलवायु संबंधी लेख नियमित रूप से समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।मूल रूप से उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल के रहने वाले डॉ. शर्मा ने अनेक विद्वत्तापूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं जिनमें आईआईटी कानपुर से एमएससी (रसायनशास्त्र), आईआईटी खड़गपुर से एम.टेक., आईआईएम बेंगलुरु से मास्टर ऑफ मैनेजमेंट; आईआईएससी, बेंगलुरु से क्लाइमेट चेंज में पीएचडी; एडिनबर्ग विश्वविद्यालय से फॉरेस्ट इकॉलजी में एमएससी प्रमुख हैं। वे एक क्षमतावान व योग्य अधिकारी हैं और भारतीय वन सेवा प्रशिक्षण को अमृत काल के उद्देश्यों के अनुसार व्यवस्थित करने के स्पष्ट विजन के साथ कार्य करने के इच्छुक हैं। निदेशक का कार्यभार संभालने पर, उन्होंने अकादमी के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के साथ वार्ता की और अकादमी द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों के विषय में जानकारी प्राप्त की।

अब उत्तराखंड-नेपाल के बीच उड़ान भरेंगे यात्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 02 नवंबर : उत्तराखंड अब हवाई नेटवर्क से लगातार जुड़ रहा है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही आपको उत्तराखंड से नेपाल के बीच हेलीकॉप्टर सर्विस देखने को मिल सकती है। जी हां उत्तराखंड सरकार देहरादून से नेपाल के काठमांडू तक हवाई सर्विस की तैयारी कर रही है। बताया जा रहा है। कि धामी सरकार की योजना पशुपति नाथ से केदारनाथ के बीच हेली सर्किट तैयार करने की है। दून से काठमांडू के बीच हेली सर्विस के लिए अलग अलग कंपनियों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। सभी कंपनियां प्रस्ताव में रूट, किराए और स्टॉपेज से संबंधित जानकारियां देंगी। अगर कंपनियां इसमें दिलचस्पी दिखाती हैं, तो प्रस्ताव को केन्द्र सरकार के पास भेजा जाएगा। काठमांडू से देहरादून के बीच अलग अलग जो हेलीपेड पड़ते हैं, उन्हें भी इन सर्किट से जोड़ने का इरादा है। आपको बता दें कि अभी देहरादून से नेपाल के महेंद्रनगर के लिए बस सर्विस है, जिसमें 13 से 14 घंटे का वक्त लगता है। ऐसे में हेली सर्विस से जुड़ने के बाद वक्त की बहुत बचत होगी। इससे पशुपति नाथ और केदारनाथ के श्रद्धालुओं को भी आसानी होगी। देखना है आगे क्या होता है।

बीजेपी सांसद की दो बीवियां मिलकर मनाती हैं करवा चौथ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 नवंबर , देशभर में आज करवा चौथ का त्योहार धूम-धाम से मनाया जा रहा है। इस दिन विवाहित महिलाएं पति की लंबी उम्र की कामना के लिए व्रत रखती है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव का शोर है। इस बीच एक नेता ऐसे भी है जिनके लिए एक नहीं बल्कि 2 पत्नी यह उपवास रखती हैं।

उदयपुर सीट से सांसद हैं अर्जुनलाल

राजस्थान की उदयपुर लोकसभा सीट से सांसद अर्जुन लाल मीणा लगातार 2 बार से सांसद हैं। इससे पहले वह उदयपुर से विधायक भी रह चुके हैं। सांसद अर्जुन लाल की दो पत्नियां हैं। एक का नाम मीनाक्षी और दूसरी का नाम राजकुमारी है। हालांकि दोनों आपस में बहनें हैं। सांसद को दोनों पत्नियों से एक-एक संतान है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही पुरानी फोटो

सांसद की पहली पत्नी राजकुमारी राजनीति में सक्रिय नहीं है। बल्कि वह एक सरकारी टीचर है। जबकि दूसरी पत्नी गैस एजेंसी की मालकिन है। करवा चौथ के दिन सोशल मीडिया पर उनके फोटो ज्यादा वायरल होते हैं। आज दोनों पत्नियां शाम को सांसद के साथ करवा चौथ का त्योहार मनाएगी। वहीं सांसद अर्जुन लाल भी मेवाड़ की पारंपरिक टोपी पहन कर ऐसे ही क्षेत्रीय कार्यक्रमों में नजर आते हैं। बता दें कि पिछले करवा चौथ पर भी अर्जुनलाल मीणा की ऐसी ही फोटो वायरल हुई थी। जिसमें दोनों पत्नियां उनका दीदार करती नजर आ रही हैं।

संपादकीय

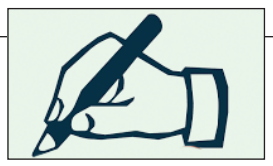

जदरांगल में सीयू मुजरिम

अब मसला केंद्रीय विश्वविद्यालय को खंडित करने का नहीं रहा, बल्कि इसके जदरांगल परिसर को खुर्द-बुर्द करने का है और यह हो चुका है। जिन्हें विश्वास था कि जदरांगल परिसर की सियासत में केवल भाजपा दोषी रही, उन्हें आंखें खोलकर देख लेना चाहिए कि कांग्रेस सरकार भी इसे हमीरपुर संसदीय क्षेत्र को वरदान बनाने पर उतारू है। अंततः केवल शांता कुमार ने ही जुबान खोली है, जबकि कांगड़ा से तमाम कांग्रेसी विधायक तो मीठी गोलियां चाट रहे हैं। आश्चर्य यह कि कांगड़ा के कोटे में एकमात्र मंत्री चौधरी चंद्र कुमार भी मुंह में दही जमा के बैठे हैं, जबकि कभी उनकी व सुधीर शर्मा की बदौलत धर्मशाला परिसर का प्रस्ताव बचा था। संस्थान बर्बाद कैसे हो सकते हैं, इसका सबसे बड़ा उदाहरण केंद्रीय विश्वविद्यालय के खंडित अध्याय है। इस नासूर में पहले धूमल और फिर जयराम सरकारें रहीं और अब सुक्खू सरकार के लिए भी यह प्राथमिक उद्देश्य नहीं, वरना कब के तीस करोड़ जमा करवाकर काम शुरू हो चुका होता। भले ही सारा विश्वविद्यालय देहरा में बसा दिया जाए, इससे ऐसे संस्थान के महत्त्व में कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन गंदी सियासत की परछाइयों में रह कर उच्च शिक्षा की कई मंजिलें ध्वस्त हो चुकी हैं। अगर ऐसा नहीं है तो तमाम वे नेता जो धर्मशाला परिसर से खेलते रहे, वे जीत का एहसास कर सकते हैं और जो हारे, वे पीठ पर राजनीतिक चाबुक का प्रहार देख सकते हैं। आश्चर्य यह कि जिस क्रिकेट की हवाएं अनुराग ठाकुर को धर्मशाला में रोशनी दिखाती हैं, वह सांसद हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालय को बटोरता रहा। कुछ इसी तरह का इतिहास कांगड़ा के सांसद किशन कपूर का भी रहा, जिन्होंने बतौर विधायक सर्वप्रथम धर्मशाला में सीयू के खिलाफ अपना रवैया रचा था। हिमाचल में एम्स, आईआईएम, मेडिकल कालेज और खास तौर पर हमीरपुर के मेडिकल कालेज की इमारतें बिना किसी हुज्जत के चोटियां गिनती रहीं, लेकिन परीक्षाएं धर्मशाला में सीयू की रहीं। धूमल सरकार ने पहले इसकी प्रस्तावित जगह की मिट्टी पलीद की, फिर जदरांगल की संभावना में उनके सिपहसालार रविंद्र रवि ने अपने बयानों से इस स्थान को अपमानित किया। हैरानी यह कि जदरांगल की जमीन को मुजरिम बनाते हुए कभी केंद्रीय वन मंत्रालय के डंडे बरसाए और कभी कोलकाता के भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग के जबड़ों में इसे फंसाया। किसी तरह स्वीकृतियां मिलीं, तो अब सुक्खू सरकार ने जमीन की पैमाइश घटाकर भी तीस करोड़ के भुगतान पर ताले लगा रखे हैं। एक ओर जदरांगल परिसर के प्रति सरकार की उपेक्षा से आहत पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री रहे शांता कुमार आहत हैं और दूसरी ओर देहरा परिसर के निर्माण में चारों घंटे काम की रफ्तार में हर फाइल क्लीयर है। इस सबके बीच केंद्रीय विश्वविद्यालय ने जो इतिहास इकट्ठा किया है, उसमें हिमाचल की प्रतिष्ठा को ही दाग लग रहे हैं। नियुक्तियों से लेकर अध्ययन की परिपाटी तक यह संस्थान एक खास स्वीकृतियों का सृजन कर चुका है, जहां विचारों की पृष्ठभूमि में एकांगी सोच का दायरा बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय के सामने हिमाचल की अर्थव्यवस्था, ट्राइबल लाइफ तथा प्राकृतिक आपदाओं पर अध्ययन व शोध के बजाय प्राथमिक विषय यह है कि जम्मू-कश्मीर की हवाओं का रुख किधर है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में शपथ ने झटका रजत पदक

■ अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में शपथ देश को दिला चुके हैं 10 पदक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून/मेरठ 02 नवंबर। उत्तराखंड के अंतरराष्ट्रीय शॉटगन शूटिंग एथलीट शपथ भारद्वाज ने दक्षिण कोरिया के चांगवोन में आयोजित एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में ट्रैप (जूनियर) स्पर्धा में देश को रजत पदक दिलाया है। उन्होंने व्यक्तिगत वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की है।मूल रूप से मेरठ निवासी शपथ ने स्वर्ण पदक के करीबी मुकाबले में 42 अंक हासिल किए। शपथ भारतीय निशानेबाज बख्तियार के 43 के स्कोर के मुकाबले एक अंक से स्वर्ण पदक पाने से चूक गए। कुवैत के निशानेबाज अलराशिदी सलाह एटीएम 31 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे और कांस्य पदक जीता। भारत के शार्दुल विहान 25 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहे। चीन के बाई जुनमिंग 18 के स्कोर के साथ 5वें स्थान पर रहे और चीन के एक अन्य निशानेबाज डू जियान ने 14 के स्कोर के साथ फाइनल में 6वां स्थान हासिल किया। शपथ उत्तराखंड के एक अंतरराष्ट्रीय शॉटगन शूटिंग एथलीट हैं। जिन्होंने भारत की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न विश्व चैंपियनशिप, विश्व कप, एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप, अंतर्राष्ट्रीय ग्रां प्री और इटली में आयोजित ग्रीन कप जैसी अंतरराष्ट्रीय ओपन प्रतियोगिताओं में 10 अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं।

क्वालिफिकेशन राउंड में किया शानदार प्रदर्शन

क्वालिफिकेशन राउंड में शपथ ने चीन और कुवैत के निशानेबाजों के साथ चैंपियनशिप का तीसरा बड़ा स्कोर 113 बनाकर छह फाइनलिस्टों में अपनी जगह पक्की की।चैंपियनशिप में चीन, कोरिया, भारत, कजाकिस्तान, ताइपे और अन्य एशियाई देशों के निशानेबाजों ने भाग लिया। इस जीत पर उत्तराखंड राज्य राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष और पूर्व खेल मंत्री नारायण सिंह राणा, महासचिव सुभाष राणा, संयुक्त खेल निदेशक डीपी भट्ट ने शपथ को बधाई दी है।

चीन में सहारनपुर के लाल शुभम ने झटके दो रजत पदक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सहारनपुर 02 नवंबर : जिला सहारनपुर के लाल शुभम चौधरी और सिमरन ने अंतरराष्ट्रीय स्तरीय एथेटिक्स खेलों में दो रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। गांव मोहम्मदपुर कंधेला निवासी शुभम चौधरी ने चीन में आयोजित एशियन गेम्स में देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने 100 व 200 मीटर स्पर्धा में दो रजत पदक झटक कर अपने गांव प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है।

शुभम चौधरी आर्थिक रूप से बेहद कमजोर परिवार से हैं। शुभम चौधरी ने संघर्ष की कहानी बताते हुए कहा कि गांव में ही वो आर्मी की तैयारी करते थे। उसके बाद मुझको पता चला की जिला सहारनपुर में आर्मी की तैयारी कराई जाती है। फिर मैंने सहारनपुर में आर्मी एकेडमी में एडमिशन कराया। उसके बाद आर्मी के साथ स्पोर्ट्स की भी शुरू कर दी। मुझे लगा की में खेल में और अच्छा कर कर सकता हूं, तो दिन रात मेहनत की। उसके बाद मैं दौड़ की ट्रेनिंग के लिए पंचकूला चला गया। जहां पर तीन साल लगातार

> **100 और 200 मीटर दौड़ में देश की झोली में डाले रजत पदक**

कड़ी मेहनत के साथ और काफी चुनौतियों का सामना करते हुए ट्रेनिंग पूर्ण की। जिसके बाद पंजाब लवली यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया।

कोच गजेंद्र सिंह ने बदली जिंदगी

लवली यूनिवर्सिटी में 8 महीने पढ़ाई करने के बाद एक कोच गजेंद्र सिंह ने शुभम को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने ट्रेनिंग कराई और बहुत सपोर्ट किया। उसके बाद मेरा और मेरे साथ तैयारी कर रही सिमरन का एशियन गेम्स में सलेक्शन हुआ 16 अक्टूबर को हम इंडिया से चीन के लिए रवाना हो गए। चाइना जाने के बाद 3 दिन हमने ग्राउंड में ट्रेनिंग की फिर 24 अक्टूबर 100 मीटर की दौड़ में हमने रजत पदक जीता। 26 अक्टूबर को 200 मीटर की दौड़ में भी रजत पदक जीता। शुभम बोले मेरा यही सपना ही में अपने देश के लिए और अच्छा खेलूंगा और अगली बार गोल्ड मेडल लेकर लौटूं।

मम्मी पापा और दोस्त ने बढ़ाया हौसला

शुभम चौधरी ने बताया की मुझे मेरे मम्मी पापा ने बहुत सपोर्ट किया। मुझे आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किया। खुद भूखे रहे लेकिन खेलों की तैयारी में किसी चीज की कमी नहीं होने दी। मम्मी पापा के साथ साथ शुभम चौधरी ने अपने दोस्त डॉ. साकिब मलिक का जिक्र किया। जो की दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया मेरे इस सफर में मेरे दोस्त डॉ. साकिब मलिक की एक बहुत बड़ी अहम भूमिका है। इन्होने मुझे बहुत सपोर्ट किया मेरी हर चीज में मदद की और मेरी हर परेशानी में मेरे साथ खड़े रहे। आज में जिस मकाम पर खड़ा हु मेरे दोस्त का बहुत बड़ा हाथ है। उन्होंने डॉ. साकिब मलिक का धन्यवाद किया।

उत्तराखण्ड में निवेश के लिए अपार संभावनाएं हैं : गुजरात में बोले धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अहमदाबाद , 2 नवंबर , उत्तराखण्ड में आगामी 8-9 दिसंबर को होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हेतु मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अहमदाबाद में आयोजित रोड शो में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न उद्योग समूहों के साथ बैठक करते हुए सभी निवेशकों को समिट के लिए आमंत्रित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत अहमदाबाद में यह छटवां रोड शो आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने 08 और 09 दिसम्बर 2023 को देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में निवेशकों को आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात भगवान श्रीकृष्ण की धरा है। महात्मा गांधी और सरदार पटेल जैसे महापुरूषों की यह भूमि है। इस भूमि ने भारत को नरेन्द्र मोदी जैसे प्रधानमंत्री दिये हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक पटल पर एक अलग पहचान बनाई है। आज दुनिया में भारत का मान-सम्मान और स्वाभिमान बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में उद्योगों के विकास के लिए सरकार द्वारा लगातार कार्य किये जा रहे हैं। उद्योग जगत से जुड़े लोगों के सुझावों को ध्यान में रखते हुए 30 नई नीतियां बनाई गई हैं। कई नीतियों को और सरल बनाया गया है। उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान भी जो सुझाव प्राप्त हो रहे हैं, उन सभी पर अमल किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में निवेश के लिए अपार संभावनाएं हैं। राज्य में 06 हजार एकड़ का लैण्ड बैंक बनाया गया है। राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में निवेश करने वालों के लिए और प्रोत्साहन दिया जायेगा। उत्तराखण्ड का प्राकृतिक सौन्दर्य और बेहतर मानव संसाधन निवेशकों को उत्तराखण्ड आने के लिए आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में ईकोलॉजी और ईकोनॉमी में संतुलन बनाते हुए कार्य किये जा रहे हैं। उत्तराखण्ड कर्मभूमि बनाने के लिए अच्छा डेस्टिनेशन है। राज्य में हवाई, रेल, रोड और रोपवे कनेक्टिविटी के साथ तेजी से विस्तार हो रहा है।

कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नीतियों के सरलीकरण एवं नई नीतियों के क्रियान्वयन के लिए लगातार कार्य किये जा रहे हैं। उद्योगों की स्थापना के लिए ट्रांसपोर्टेशन, विद्युत आपूर्ति और बेहतर मानव संसाधन की आवश्यकता होती है, जो सब उत्तराखण्ड के पास हैं। उत्तराखण्ड सबसे सस्ती बिजली देने वाला राज्य है। कनेक्टिविटी का राज्य में तेजी से विस्तार हुआ है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, सचिव विनय शंकर पाण्डेय, महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े निवेशक मौजूद थे।

देहरादून स्मार्ट सिटी की 24वीं सिटी एडवाइजरी लेवल फोरम की मीटिंग हुई संपन्न

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून स्मार्ट सिटी की सिटी एडवाइजरी लेवल फोरम की बैठक लैंसडाउन चौक के निकट नवनिर्मित दून लाइब्रेरी के कांफ्रेंस हॉल में माननीय महापौर श्री सुनील उनियाल की अध्यक्षता एवं माननीय विधायक राजपुर श्री खजान दास जी की उपस्थिति में आयोजित की गई जिसमें मुख्य कार्यकारी अधिकारी देहरादून स्मार्ट सिटी अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी देहरादून स्मार्ट सिटी अधीक्षण अभियंता देहरादून स्मार्ट सिटी एवं अन्य रेखीय विभागों यथा पेयजल निगम सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग, जल संस्थान उत्तराखंड पुलिस के अधिशासी अभियंता एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।सिटी एडवाइजरी फोरम की बैठक में सभी का स्वागत करते हुए अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी देहरादून स्मार्ट सिटी श्री श्याम सिंह राणा जी ने स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत देहरादून स्मार्ट सिटी के अंतर्गत प्रस्तावित 22 परियोजनाओं के विषय में फोरम के सदस्यों को अवगत कराया की उक्त में से 16 परियोजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं एवं 6 परियोजनाएं गतिमान है जिसमें वर्तमान में प्रगति लगभग 70% से अधिक है गतिमान परियोजनाओं में स्मार्ट रोड परियोजना का कार्य तीव्रता से युद्ध स्तर पर किया जा रहा है ताकि परियोजना कार्य को समय से पूर्ण किया जा सके कार्यों पर फार्म के सदस्यों द्वारा संतोष व्यक्त करते हुए हरिद्वार रोड के कार्यों पूर्ण करने हेतु विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया साथ ही रेखीय विभाग यूपीसीएल को निर्देशित किया कि शीघ्रता से विद्युत तारों को भूमिगत करने हेतु अपने स्तर से पूर्ण प्रयास करें ताकि जनता को शीघ्र का परियोजना का लाभ मिल पाए।मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोनिका जी ने कहा कि आगामी इन्वेस्टर समिट के दृष्टिगत स्मार्ट रोड से संबंधित सभी कार्य को शीघ्र पूर्ण किए जाने हेतु युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है एवं इसके उपरांत सभी पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं के साथ स्मार्ट रोड निर्माण से शहर की एक अलग छवि सभी के सम्मुख प्रस्तुत हो सकेगीमाननीय विधायक एवं माननीय महापौर महोदय द्वारा आउट फाल ड्रेनेज एवं सीवरेज परियोजनाओं के अंतर्गत शेष बचे कार्यों को इन्वेस्टर सम्मिट 2023 के पूर्ण होने के उपरांत युद्ध स्तर पर तीव्रता से करते हुए पूर्ण करने हेतु निर्देश दिए गए साथ ही दून लाइब्रेरी भवन परेड ग्राउंड पलटन बाजार वात्सल्य भवन आदि पूर्ण परियोजनाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए । सिटी एडवाइजरी फोरम की बैठक को ससमय आयोजित करने हेतु स्मार्ट सिटी के अधिकारियों को निर्देशित किया इसी के साथ माननीय महापौर महोदय सिटी एडवाइजरी फॉर्म अध्यक्ष द्वारा सभी को धन्यवाद व्यापित करते हुए समाप्ति घोषणा की।

अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त प्रभारी प्रदीप

■ कुमार का गर्मजोशी के साथ स्वागत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदीप कुमार ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व व महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल द्वारा मुझे जो जिम्मेदारी मिली है, हम सब मिलकर इस जिम्मेदारी के साथ मोर्चे को संगठन की दृष्टि से आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जितनी भी लाभकारी योजनाएं चल रही है वह प्रत्येक कार्यकर्ता को उसका लाभ प्राप्त हो सके उसके लिए हम सब लोगों को प्रचार प्रसार करेंगे। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र की सबसे बड़ी राजनीतिक दल पार्टी है। हमारा सौभाग्य है कि हम सब लोग इसके सदस्य हैं। आने वाले समय में संगठन के द्वारा महानगर अल्पसंख्यक मोर्चे को जितने भी कार्य दिए जाएंगे उनको धरातल पर साकार करने की हम सब लोगों की पूरी कोशिश रहेगी। हम सब एक साथ मिलकर संगठन के लिए कार्य करते रहेंगे। स्वागत करने में अल्पसंख्यक मोर्चा की महानगर अध्यक्ष यासमीन आलम खान, महामंत्री शहजाद खान, आसिफ शेख, शादाब अख्तर, दिलबाग सिंह, शमशाद कुरैशी, सरफराज अहमद, अंजुम मैहर, जाकिर, कुर्बान अली, शमसुद्दीन, मंडल अध्यक्ष बिरेश जैन, बलविंदर सिंह, रईस अहमद, इसराइल मलिक, शहजाद अंसारी, साजिद अली, साजिद मलिक सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विरासत में कौशिकी चक्रवर्ती के मधुर संगीत ने बांधा समां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 नवंबर। विरासत आर्ट एंड हेरीटेज फेस्टिवल-2023 के छठे दिन कार्यक्रम की शुरूआत विरासत साधना के साथ हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कौशिकी चक्रवर्ती ने राग यमन कल्याण से शुरुआत की। कौशिकी ने झप ताल में बड़े गुलाम अली खां साहब के तराना सहित मधुर प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध करना जारी रखा। इससे पहले प्रस्तुति में आड़ा चौटाल में बंदिश रही जो "शारदे बागेश्वरी" थी उसके बाद उन्होंने राग पहाड़ी में रूपक बंदिश पेश किया।कौशिकी के साथ सारंगी पर मुराद अली, तबले पर ईशान घोष, हारमोनियम पर पारोमिता मुखर्जी, तानपुरा पर अदिति बछेती और सृष्टि कला ने सहयोग किया। ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय कि कृति यादव ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी, दूसरी प्रस्तुती दून विश्वविद्यालय की श्रृष्टि जोशी जिन्होंने कथक नृत्य का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. निशात मिश्रा, डीन, यूपीईएस, आनंद बर्धन, आईएएस एवं राजा रणधीर सिंह, एशिया ओलंपिक परिषद के अंतरिम अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलन के साथ किया एवं उनके साथ रीच विरासत के महासचिव श्री आरके सिंह एवं अन्य सदस्य भी मौजूद रहें। पहली प्रस्तुति में 'अभ्यास समूह' कृष्ण मोहन महाराज जी द्वारा गणपति वंदना के साथ हुई, इसके बाद दरबारी, शाही दरबार में किया जाने वाला कथक नृत्य, कृष्ण मोहन जी द्वारा ग़ज़ल पर नृत्य, एक तराना और एक सूफी कलाम, अमीर खुसरू द्वारा छाप तिलक प्रस्तुत किया गया। नर्तकियों के परिवार में जन्मे पंडित कृष्ण मोहन महाराज, प्रसिद्ध कथक गुरु पंडित शंभु महाराज के सबसे बड़े पुत्र और पंडित बिरजू महाराज के चचेरे भाई हैं। वह लखनऊ के प्रतिष्ठित कालका बिंदादीन घराने से हैं और अपनी तकनीकी कुशलता के लिए प्रसिद्ध हैं। वह नई दिल्ली, भारत में राष्ट्रीय कथक नृत्य संस्थान, कथक केंद्र के गुरुओं में से एक हैं। ' दूसरी प्रस्तुति दक्षिण अफ़्रीका से नृत्य कलाकारों की टुकड़ी, त्रिभंगी नृत्य रंगमंच की रही। त्रिभंगा डांस थिएटर ने कुछ पीढ़ियों से चले आ रहे अफ्रीकी-भारतीय संबंध का जश्न मनाते हुए एक ऊर्जावान नृत्य के साथ प्रदर्शन की शुरुआत की। कलात्मक निर्देशक, जयस्पेरी मूपेन, कंपनी के मिशन को भारतीय नृत्य के बारे में प्रयोग, अन्वेषण और चुनौती देने के रूप में देखते हैं। कलाकार भारतीय और अफ्रीकी विरासत से आते हैं, जो पारंपरिक नृत्य के दोनों रूपों में कुशल हैं और एक अच्छे समकालीन नृत्य आधार के साथ हैं।

दक्षिण अफ्रीका के अंतरराष्ट्रीय कलाकारों ने नृत्यों की जुगलबंदी से जीता दर्शकों का दिल